महावीर चालीसा

॥ दोहा ॥

शीश नवा अरिहन्त को,

सिद्धन करूँ प्रणाम।

उपाध्याय आचार्य का,

ले सुखकारी नाम॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सर्व साधु और सरस्वती,

जिन मन्दिर सुखकार।

महावीर भगवान को,

मन-मन्दिर में धार॥

॥ चौपाई ॥

जय महावीर दयालु स्वामी,

वीर प्रभु तुम जग में नामी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

वर्धमान है नाम तुम्हारा,

लगे हृदय को प्यारा प्यारा।

शांति छवि और मोहनी मूरत,

शान हँसीली सोहनी सूरत।

तुमने वेश दिगम्बर धारा,

कर्म-शत्रु भी तुम से हारा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

क्रोध मान अरु लोभ भगाया,

महा- मोह तमसे डर खाया।

तू सर्वज्ञ सर्व का ज्ञाता,

तुझको दुनिया से क्या नाता।

तुझमें नहीं राग और द्वेश,

वीर रण राग तू हितोपदेश।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तेरा नाम जगत में सच्चा,

जिसको जाने बच्चा बच्चा।

भूत प्रेत तुम से भय खावें,

व्यन्तर राक्षस सब भग जावें।

महा व्याध मारी न सतावे,

महा विकराल काल डर खावे।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

काला नाग होय फन धारी,

या हो शेर भयंकर भारी।

ना हो कोई बचाने वाला,

स्वामी तुम्हीं करो प्रतिपाला।

अग्नि दावालन सुलग रही हो,

तेज हवा से भड़क रही हो।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नाम तुम्हारा सब दुख खोवे,

आग एकदम ठण्डी होवे।

हिंसामय था भारत सारा,

तब तुमने कीना निस्तारा।

जनम लिया कुण्डलपुर नगरी,

हुई सुखी तब प्रजा सगरी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सिद्धारथ जी पिता तुम्हारे,

त्रिशला के आँखों के तारे।

छोड़ सभी झंझट संसारी,

स्वामी हुए बाल-ब्रह्मचारी।

पंचम काल महा-दुखदाई,

चाँदनपुर महिमा दिखलाई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

टीले में अतिशय दिखलाया,

एक गाय का दूध गिराया।

सोच हुआ मन में ग्वाले के,

पहुँचा एक फावड़ा लेके।

सारा टीला खोद बगाया,

तब तुमने दर्शन दिखलाया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जोधराज को दुख ने घेरा,

उसने नाम जाप जब तेरा।

ठंडा हुआ तोप का गोला,

तब सब ने जयकारा बोला।

मंत्री ने मन्दिर बनवाया,

राजा भी द्रव्य लगाया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बड़ी धर्मशाला बनवाई,

तुमको लाने को ठहराई।

तुमने तोड़ी बीसों गाड़ी,

पहिया खसका नहीं अगाड़ी।

ग्वाले ने जो हाथ लगाया,

फिर तो रथ चलता ही पाया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पहिले दिन बैशाख वदी के,

रथ जाता है तीर नदी के।

मीना गूजर सब ही आते,

नाच-कूद सब चित उमगाते।

स्वामी तुमने प्रेम निभाया,

ग्वाले का बहु मान बढ़ाया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

हाथ लगे ग्वाले का जब ही,

स्वामी रथ चलता है तब ही।

मेरी है टूटी सी नैया,

तुम बिन कोई नहीं खिवैया।

मुझ पर स्वामी जरा कृपा कर,

मैं हूँ प्रभु तुम्हारा चाकर।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तुम से मैं अरु कछु नहीं चाहूँ,

जन्म-जन्म तेरे दर्शन पाऊँ।

चालीसे को चन्द्र बनावे,

बीर प्रभु को शीश नवावे।

॥ सोरठा॥

नित चालीसहि बार,

पाठ करे चालीस दिन।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

खेय सुगन्ध अपार,

वर्धमान के सामने॥

होय कुबेर समान,

जन्म दरिद्री होय जो।

जिसके नहिं सन्तान,

नाम वंश जग में चले।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा